an>

Title: Need to conduct CBI inquiry into death of a youth at the Haryana Police Recruitment Center in Kurukshetra, Haryana.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा में हाल ही में आयोजित पुलिस भर्ती अभियान के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मामला गृह मंत्रालय के संज्ञान में लाना चाहूंगा। हरियाणा का नौजवान, चाहे फौज की बात हो, हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। चाहे खेलों की बात हो, ओलम्पिक के अंदर हमारा जो दल गया है, इसमें भी तकरीबन 21 प्रतिशत खिलाड़ी हरियाणा से आए हैं। चाहे वह कृÂिष की बात हो, देश का पेट भरने का काम भी हरियाणा का नौजवान करता है। ऐसे नौजवान को एक ऐसी पुलिस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से गुजरना पड़ा, जहां अमानवीय परिस्थिति थी और कोई इंतजाम नहीं था। उसको लेकर बहुत से प्रश्न उठ रहे हैं। तकरीबन पांच लाख से ज्यादा नौजवानों ने फिजिकल टेस्ट के अंदर हिस्सा लिया। इसमें हर रोज तकरीबन 13 हजार लोगों को जून और जुलाई के महीने में दौड़ाया गया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। उनके लिए कोई रहने का इंतजाम नहीं था, पानी का इंतजाम नहीं था। 9-9 घंटे भूखे पेट पहले लाइन में लगे, उसके बाद पांच घंटे दौड़े, जिसकी वजह से चार अभ्यार्थियों की मृत्यु हो गई। दौड़ में भागते हुए पहली बार ऐसा हुआ है। ऐसे चार लोगों की मृत्यु हो गई और हजारों हॉस्पिटलाइज्ड हैं। मेरी मांग है कि जिनकी मृत्यु हुई है, उनको मुआवजा दिया जाए। इस घटना की जांच कराई जाए और कारण का पता कराया जाए। पहले यह भर्ती अभियान पुलिस भर्ती रिक्रूटमेंट बोर्ड के माध्यम से होता था, अब इसे कर्मचारी चयन आयोग को दे दिया गया। पहले यह जिलों में होती थी, स्टेडियम्स में होती थी, अब पक्की सड़कों पर एक जगह इकट्ठा करके दौड़ाने का काम किया गया है। मैं कहना चाहता हूं कि जो सर्विस सिलेक्शन बोर्ड के चेयरमैन हैं, वे पांच सौ मीटर दौड़कर दिखाएं। वहां पर नौजवानों को पांच किलोमीटर भूखे-प्यासे दौड़ाने का काम किया गया।

मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इसकी जुडीशियल इंक्वायरी हो। ...(व्यवधान)